संक्षिप्त इतिहास

कस्तूरबा गांधी अस्पताल का उद्घाटन पश्चिम बंगाल के तत्कालीन राज्यपाल डॉ. के.एन.काटजू द्वारा 12 फरवरी 1951 को किया गया जिसमें 50 शय्या थीं। वर्तमान में कुल 197 शय्याएं हैं। अपने प्रारंभकाल में यह अस्पताल डॉ. सी.एच.फिलिप्स, मंडल चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्वाधीन में था। तब से विभिन्न चिकित्सा अधिकारियों के नेतृत्व में यह अस्पताल कार्यरत है जिसमें वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक और अब मुख्य चिकित्सा अधिकारी शामिल हैं।

यह अस्पताल पूर्व जोन के अधीन है तथा रेलवे बोर्ड को भेजी जाने वाली सभी रिपोर्टों के लिए पूर्व रेल को रिपोर्ट करता है। रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुसार वर्तमान में अस्पताल स्वतंत्र है और मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में कार्यरत है तथा सीधे रेलवे बोर्ड को रिपोर्ट करता है।

डॉ. सुबिमल गुप्ता, वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी/सर्जरी ने भारतीय रेल के डिविजनल अस्पतालों में से सर्वाधिक संख्या में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी कर विशेष स्थान हासिल किया है। इसके लिए उन्हें वर्ष 2009 में तत्कालीन रेल मंत्री सुश्री ममता बनर्जी द्वारा पुरस्कृत किया गया।